स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इर्न्टनशिप कार्यक्रम सम्पन्न

शा. कन्या महाविद्यालय सीहोर मे ''स्वच्छ भारत'' ग्रीष्मकालीन इर्न्टनशिप कार्यक्रम 2019 – 50 घंटे स्वच्छता के थीम पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सवयं सेवको द्वारा वृहत स्तर पर टीम बनाकर अथवा अकेले स्वयं ही कार्य किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्राओं नें अपने मोहल्ले, स्कूल, रेलवे स्टेशन, घरो मे जाकर स्वच्छता अभियान चलाया।

टीम लीडर पूजा मेवाडा एवं शिवानी सेन, रिंकी विश्वकर्मा आदि ने इर्न्टनशिप के दौरान घरो में जाकर नीले एवं हरे डस्टबिन के माध्यम से गीले व सूखे कचरे को अलग–अलग रखना बताया तथा इसके फायदे बताते हुए उसने कहा कि सूखा कचरा न केवल हमे पर्यावरण प्रदूषण से बचाता है बल्कि इसमें से हम फेकी हुई सामग्री को अलग–अलग करके 3 Rs – Recycle, Reduce Reuse के माध्यम से भी पर्यावरण संरक्षित कर सकते है। गीला कचरे से हम जैविक खाद बना सकते है जो हमारे स्वास्थ्य लाभ के अलावा हमें शुद्ध पोषण तत्व युक्त अन्न, फल, सब्जी आदि भी प्रदान करता है। इस खाद को हम घर में भी गड्ढा खोदकर बना सकते है।

यही शिक्षा एवं जागरूकता अभियान रेलवे स्टेशन, गणेश मंदिर, सिद्धपुर, इंदौर नाका, बजरंग कॉलोनी, एल.आई.सी कॉलोनी, बी.एस.आई. ग्राउंड के पास, मिरवा कॉन्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल, सुभाष हायर सेकेण्डरी स्कूल, न्यू टेलेंट ऐकेडमी स्कूल, आईडिल ऐकेडमी स्कूल, एवं अन्य जनस्थानो, मे भी चलाया गया।

जगह–जगह पर सफाई पर आधारित पेम्फलेट्स भी चिपकाये गये,

सभी नगरवासियों को पॉलिथिन के उपयोग पर रोक लगाने के लिए तथा घर के बने थैले में सामान लाने के लिए भी अपील की।

कालापीपल मे भावना व्यास एवं टोली ने स्कूल के बच्चो एवं नगरवासियो को पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया

तथा सोख्ता गडढे बनाने के लिए प्रेरित किया जिससे बरसात मे जल संरक्षित करके न हम जलत्तर बढा सकते है बल्कि पानी की समस्या का भी समाधान ढूँढ सकते है। सुलोचना ने स्कूल मे बच्चो को गीला एवं सूखा कचरे को अलग–अलग रखने की सीख के अतिरिक्त विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा अध्यापको को भी इस अभियान हेतु प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में बच्चो के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान भी चलाया।

साथ ही बरसात मे नगर वासियो की मद्द से नाली की सफाई का भी अभियान चलाया।

प्रिया धाडी ने भी अपने आस–पास के मोहल्ले में स्वच्छता अभियान चलाया।

सभी छात्राओं द्वारा स्कूलो में नीले व हरे डस्टबिन भी रखे गये। सम्पूर्ण कार्यक्रम रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मंजरी अग्निहोत्री एवं रासेयो जिला संगठक सीहोर डॉ. राजेश बकोरिया के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ। स्वयं सेवको के इस सराहनीय कार्य के लिए सभी छात्राओं को बधाई दी।